Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ मासिक शिवरात्रि व्रत का महत्व ॥

॥ हर हर महादेव ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ हर मास शिव स्मरण ॥

मासिक शिवरात्रि कब

हर चंद्र मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मासिक शिवरात्रि कहा जाता है। इस रात भगवान शिव की पूजा, नाम-जप और मनन का विशेष स्थान है। निशीथ काल में पूजन की परंपरा है; अपने नगर का पंचांग देखकर तिथि और समय तय करें।

व्रत का भाव

इस व्रत में संयम, मन की स्थिरता और शिव के प्रति श्रद्धा पर जोर है। प्रतिमाह मिलने वाला अवसर अपने आचरण की समीक्षा, कृतज्ञता और दूसरों से सौम्य व्यवहार का संकल्प लेने में सहायक हो सकता है।

महाशिवरात्रि से संबंध

महाशिवरात्रि वर्ष में एक बार आने वाली विशेष शिवरात्रि है; अन्य महीनों की कृष्ण चतुर्दशी मासिक शिवरात्रि कहलाती है। अमांत और पूर्णिमांत पंचांगों में महीने का नाम अलग दिख सकता है, इसलिए तिथि को आधार बनाएँ।

कई श्रद्धालु महाशिवरात्रि से नियमित मासिक व्रत का संकल्प आरंभ करते हैं। यह व्यक्तिगत परंपरा है; एक दिन की सरल पूजा भी की जा सकती है।

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ पूजा और जीवन में संतुलन ॥

शिव का सरल पूजन

जल, बिल्वपत्र, फूल और दीप से शिव का स्मरण किया जाता है। “ॐ नमः शिवाय” का जप और शिव आरती भी प्रचलित है। महँगी सामग्री या जागरण की कठिन विधि पूजा की अनिवार्य शर्त नहीं है।

नियमितता का महत्व

प्रतिमाह थोड़े समय की प्रार्थना दिनचर्या में अनुशासन ला सकती है। घर के काम और विश्राम का ध्यान रखते हुए पूजा करें। शिवरात्रि की रात शांत ध्यान या भजन का समय निकालें।

स्वास्थ्य का ध्यान

उपवास हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त नहीं। बीमारी, गर्भावस्था, मधुमेह, दवा या कठिन काम में पर्याप्त पानी और भोजन लें तथा जरूरत पर चिकित्सकीय सलाह मानें। स्वास्थ्य बिगाड़ना व्रत का उद्देश्य नहीं है।

धार्मिक लाभ आस्था का विषय है; व्रत से किसी स्वास्थ्य या सांसारिक परिणाम की निश्चित गारंटी नहीं मिलती।

॥ ॐ नमः शिवाय ॥